BPSC

Vol.- 2

सामान्य अध्ययन /General Studies

Paper - 2, Section-II

Class Revision Notes

(हिन्दी माध्यम)

भारतीय अर्थव्यवस्था और भारत का भूगोल

(सभी पहलू बिहार के सन्दर्भ में)

Auditor / CDPO / 67th BPSC / AAO & 68th BPSC मुख्य परीक्षा के लिए उपयोगी

पटना केंद्र (बिहार)

Bihar Naman GS
(A unit of Bihar Naman Publishing House)
3rd Floor, A. K. Pandey Building,
Near Rabindra Balika Inter College,
Road No. - 2, Rajendra Nagar,
Patna - 800016, Bihar
www.biharnaman.in biharnaman@gmail.com
- 8368040065 - 9355167891

नोट – इस केंद्र पर 20-06-2022 से OFFLINE कक्षाएं एवं अन्य सेवाएं उपलब्ध होंगी

Bihar Naman GS
New Delhi- 110084
www.biharnaman.in
- 8368040065 - 9355167891

विषय सूची

Page No. - 1 : बेरोजगारी, प्रकार और सरकारी प्रयास

Page No. - 5 : भारत के आधुनिक उद्योग

Page No. - 10 : औद्योगिक स्थानीयकरण

Page No. - 12 : ऊर्जा

Page No. - 16 : गरीबी

Page No. - 19 : खाद्य सुरक्षा

Page No. - 21 : हरित क्रांति

Page No. - 24 : आपदा प्रबंधन

Page No. - 26 : बिहार में हरित क्रांति

To Be Continue....

बेरोजगारी

		NOV 2020	NOV 2021
CMIE के A/c -	बिहार में बेरोजगारी -	10 फीसदी	14.8 फीसदी
	राष्ट्रीय औसत -	6.5%	7%

बिहार के लगभग आधे स्नातक बेरोजगार
95% युवती बेरोजगार

* बेरोजगारी वह स्थिति है, जिसमें कोई श्रमिक कार्य करने को तैयार होता है, लेकिन ~~उसे~~ उसे उसकी निपुणता के आधार पर कार्य नहीं मिल पाता है।

$$\text{बेरोजगारी दर} = \frac{\text{बेरोजगारों की संख्या}}{\text{श्रमशक्ति}} \times 1000$$

└ NSSO के अनुसार
  └→ National Sample Survey Organisation

BIHAR NAMAN PUBLISHING HOUSE

बेरोजगारी के स्तर

1. सामान्य स्थिति बेरोजगारी
2. साप्ताहिक स्थिति
3. दैनिक स्थिति

Types of unemployment

1. Frictional
घर्षणात्मक बेरोजगारी
- Structural unemployment
- Disguised unemp.
- Open unemploym.
- Seasonal unem.

① Frictional unemployment (घर्षणात्मक बेरोजगारी)

↳ जब कोई व्यक्ति नई नौकरियों की तलाश कर रहा होता है या नौकरियों के बीच स्विच कर रहा होता है, तो इस समयांतराल में भी बेरोजगारी होती है। घर्षणात्मक बेरोजगारी कहलाता है।

→ इस प्रकार की बेरोजगारी बेहतर अवसर की तलाश में होती है। इसमें श्रमिक स्वयं अपनी नौकरी छोड़ देते हैं।

→ ये केवल Secondary & Tertiary sector में होता है।

② संरचनात्मक (Structural unemployment) :- बेरोजगारी

→ यह उपलब्ध नौकरी और श्रमिक के कुशलता के अंतर के कारण होती है।

→ मान लेते हैं- किसी शहर में भवन निर्माण वाले श्रमिक की जरुरत है, जबकि उसमें कम्प्युटर ऑपरेटर अधिक रहते हैं अर्थात् उन्हें भवन निर्माण कार्य में रोजगार नहीं मिलेगा। क्योंकि उनके पास इसकी कुशलता नहीं है। फलतः वे बेरोजगार रहते हैं।

③ प्रच्छन्न बेरोजगारी (Disguised) :- जब किसी उत्पादन कार्य में आवश्यकता से अधिक श्रमिक लगे हों। कुछ को हटा देने से उत्पादन पर कोई प्रभाव नहीं पड़ता है। तो उसे Disguised unemployment कहेंगे।

→ ये मुख्यतः प्राथमिक क्षेत्र (कृषि कार्य) में पाया जाता है।

BIHAR NAMAN PUBLISHING HOUSE

* Open unemployment (खुला) :- लोग बिना किसी नौकरी अनुबंध के ~~नौकरी~~ काम कर रहे हैं। जैसे cyber में काम करनेवाले Assistant etc.

* चक्रीय बेरोजगारी (cyclic) :-

↳ यह विकसित अर्थव्यवस्था में पाई जाती है। जहाँ मंदी के कारण बेरोजगारी बढ़ती है और आर्थिक विकास बढ़ने पर ~~वो~~ बेरोजगारी घटती है।

→ यह पूँजीवादी अर्थव्यवस्था में पाई जाती है।

* मौसमी (seasonal) बेरोजगारी :-

↳ वर्ष के किसी निश्चित मौसम में होनेवाली बेरोजगारी ही मौसमी बेरोजगारी कहलाती है।

Ex - खेतिहर मजदूर धान रोपणी के बाद ~~धा~~ धान कटने के बीच तक बेरोजगार रहते हैं।

बेरोजगारी के कारण
(cause of ~~U~~ unemployment)

(i) दोषपूर्ण शिक्षा पद्धति
(ii) उच्च जनसंख्या वृद्धि स्तर
(iii) कृषि का पिछड़ापन
(iv) उद्योगों की रुग्णता एवं धीमाविकास
(v) श्रमिकों में कुशलता की कमी

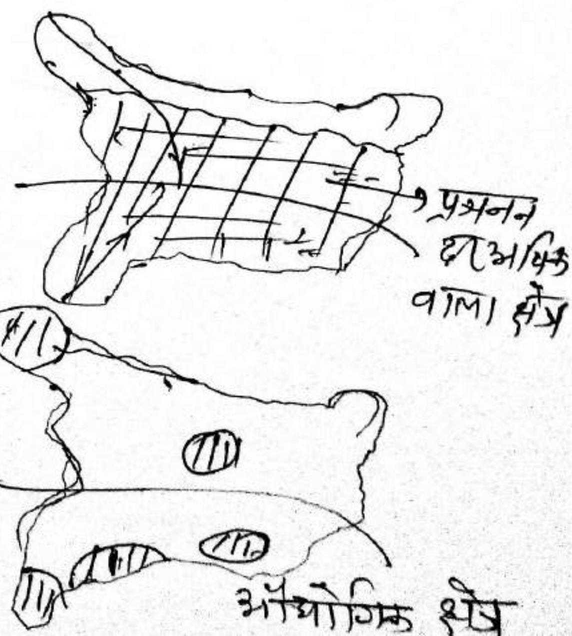

NAMAN PUBLISHING HOUSE

* Government efforts (सरकारी प्रयास)

Govt. of India

6th five year plan
10th five year plan
11th five year plan

↓

रोजगार सृजन
कौशल विकास कार्यक्रम
स्वरोजगार को बढ़ावा

15 Aug 1979 – TRYSEM

→ मनरेगा
→ skill India programme
→ Stand up
→ Make In India
→ MUDRA etc.
→ e

Govt of Bihar

→ कौशल विकास प्रशिक्षण
→ कृषि संबंधित नवाचार भी है उसको लिखना है
→ खाद्य प्रसंस्करण उद्योग
→ औद्योगिक नीति के द्वारा रोजगार सृजन etc.

BIHAR NAMAN PUBLISHING HOUSE

भारत के आधुनिक उद्योग

→ आधुनिक उद्योग देश के आर्थिक विकास का प्रतीक होता है।

भारत में आधुनिक उद्योगों का इतिहास

- 1850 से पहले
- 1850 - पहले विश्वयुद्ध तक
- प्रथम विश्वयुद्ध से 1947 तक
- 1947 से अब तक

1850 से पहले

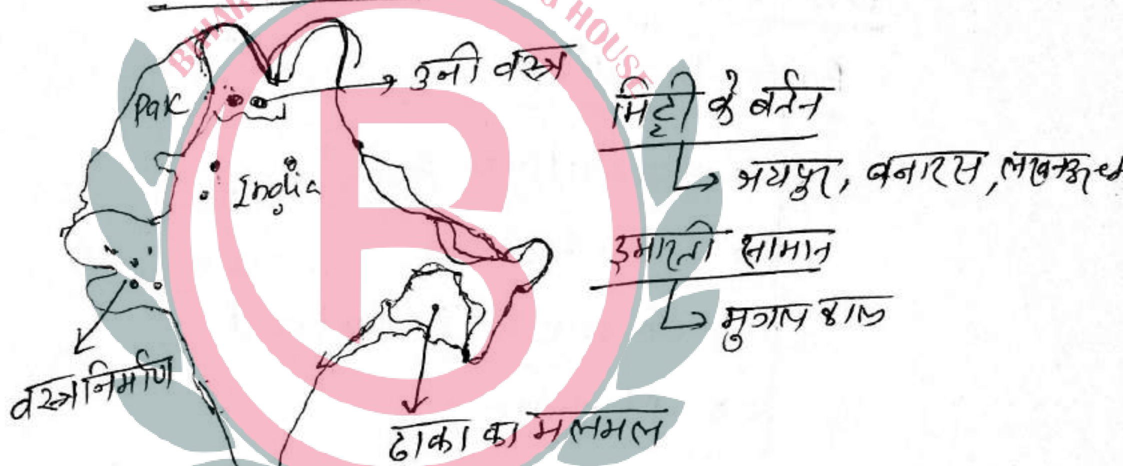

BIHAR NAMAN PUBLISHING HOUSE

1850 – 1914

1854 - बम्बई में सूती वस्त्र उद्योग

1881 – टीटागढ़ (WB) में प्रथम कागज कारखाना

1900–1905 – चीनी उद्योग

1907 → जमशेदपुर में टाटा जी द्वारा लौह उद्योग

1914 - 264 कपड़ा मिल
68 - जूट मिल

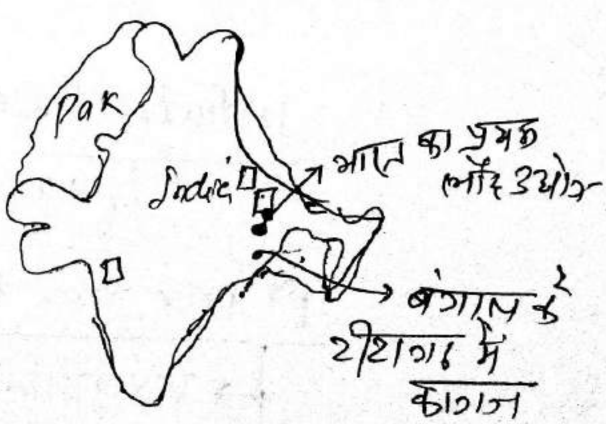

□□□ → चीनी उद्योग

→ 1922 में भारी उद्योग
→ 1925 में कागज उद्योग
→ 1927 में cotton and Textile
→ 1931 में Heavy chemical
→ 1932 में Sugar Milk
→ 1934 में Silk

प्रश्न :- भारत में औद्योगिक विकास का वर्णन करें।

Modern Industry Development

Part-2

Basic Industry

- Agriculture Based
- Iron & Steel
- chemical Industrial
- Machinery
- Software
- cotton and textile
- Electronic Industry

Industrial Development (औद्योगिक विकास)

(1951-2017)

1st five year plan in Industry

- एल्युमिनियम उद्योग
- इस्पात उद्योग
- रसायन उद्योग

BIHAR NAMAN PUBLISHING HOUSE

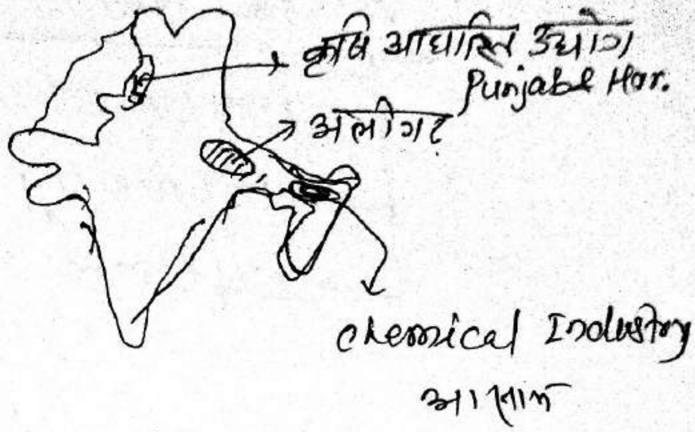

2nd Five year plan (1951-56)

→ दुर्गापुर (WB), राउरकेला (उड़ीसा), भिलाई (छत्तीसगढ़) में इस्पात संयंत्र

NIHAR NAMAN PUBLISHING HOUSE

3rd Five year plan

- → तकनीकी कौशल एवं प्रबंधकीय दक्षता में सुधार पर बल
- → सूती वस्त्र उद्योग
- → बोकारो इस्पात संयंत्र (1964)

4th Five year plan (1969-74)

- → खनन उद्योग को बढ़ावा
- → स्थिरता के साथ आर्थिक विकास और आत्मनिर्भरता प्राप्त करना

5th Five year plan (1974-79)

- → प्रौद्योगिकी का आधुनिकीकरण
- → आधारभूत संरचना पर बल

6th five year plan (1980-85)

- राष्ट्रीय आय में वृद्धि
- Engineering उद्योग
- Software उद्योग

7th five year plan (1985-90)

- जवाहर रोजगार योजना (1989)
- नेहरू रोजगार योजना (1989)
- स्पीडपोस्ट व्यवस्था, 1986

8th five year plan (1992-97)

- मानव संसाधन का विकास
- ऊर्जा क्षेत्र की प्राथमिकता
- रोजगार, शिक्षा व जनस्वास्थ्य लागू किया गया

9th five year plan (1997-2002)

- स्वच्छ पेयजल
- स्वर्ण जयंती शहरी रोजगार योजना
- प्रधानमंत्री ग्रामोदय योजना

10th five year plan (2002-07)

- कृषि क्षेत्र, पर्यटन, लघु उद्योग, प्रौद्योगिकी etc.

BIHAR NAMAN PUBLISHING HOUSE

11th Five year plan (2007-12)

→ कृषि क्षेत्र में रोजगार लोगों के लिए बढ़ावा
→ ग्रामीण विकास
→ कौशल विकास
→ उद्योग
→ खाद्य प्रसंस्करण उद्योग (Food processing Industry)
→

BIHAR NAMAN PUBLISHING HOUSE

Lecture-14

औद्योगिक स्थानीयकरण

औद्योगिक स्थानीयकरण के कारक

- → कच्चे माल की उपलब्धता
- → सस्ता श्रम
- → सस्ता श्रम
- → सस्ता परिवहन
- → सस्ती बिजली
- → कच्चा माल
- → बाजार से समीपता
- → safety and security
- →

BIHAR NAMAN PUBLISHING HOUSE

भारत के विनिर्माण उद्योग

(i) लौह-इस्पात उद्योग

(ii) सूती वस्त्र उद्योग (cotton and Textile Industry)

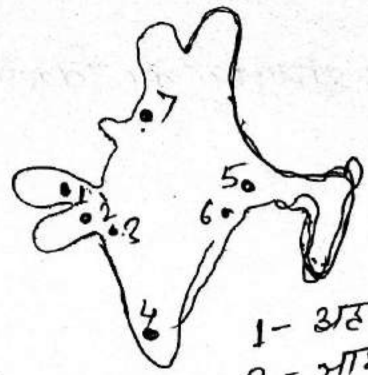

1- अहमदाबाद
2- जामनगर
3- सूरत
4- कोयम्बटूर
5- मुर्शिदाबाद
6- कोलकाता

NAMAN PUBLISHING HOUSE

~~रसायन उद्योग~~

भारत के प्रमुख औद्योगिक प्रदेश

(i) मुम्बई-पुणे औद्योगिक क्षेत्र → (I)
(ii) कोलकाता-हुगली औद्योगिक क्षेत्र
(iii) बेंगलूरु-चेन्नई औद्योगिक क्षेत्र
(iv) अहमदाबाद-बड़ोदरा-सूरत औद्योगिक क्षेत्र
(v) छोटानागपुर औद्योगिक क्षेत्र
(vi) विशाखापत्तनम-गुंटूर उद्योग
(vii) दिल्ली एवं उसके आस-पास औद्योगिक क्षेत्र (गुरुग्राम-दिल्ली मेरठ औद्योगिक क्षेत्र)
(viii)

~~Explain~~

प्रश्न :- भारत के आधारभूत उद्योग की व्याख्या करें। इन उद्योगों का विकास एक क्षेत्र विशेष में ही क्यों हुआ है? बताइए।

कक्षा-15

Energy :-

ऊर्जा संसाधनों का विकास औद्योगिक विकास का सूचक होता है।

- Economical Development
  आर्थिक विकास
- Living standard High
  जीवन स्तर को उच्च करता है।

→ ऊर्जा ~~वह~~ एक महत्वपूर्ण कारक है, जो किसी भी देश आर्थिक विकास को तीव्र करता है और हमारे जीवन स्तर को बेहतर बनाता है।

1947 → 1400 MV

~~30~~ 2022 → 3,93 389 MV

- Cent — 98,547 MV
- State — 1,04 लाख MW
- Private — 1,90 लाख MW

स्रोत

- जीवाश्म स्रोत
  - कोयला - 2,03190 MV
  - Lignite - 6620 MV
  - Natural gas - 24900 M
  - Petrolium - 510 M

  235279 MW
- नाभिकीय स्रोत
  - 6780 MW
- गैर जीवाश्म स्रोत
  - Hydro - 46512 MW
  - ~~win~~ wind - हवा/पवन
    - 40083 MW
  - Solar - 49347 MW
  - Biomas - 324 MW
  - Biogas - 10176 MW

  158170 M

BHAR NAMAN PUBLISHING HOUSE

Solar+wind+R.E – 104879 MW

2019-2021 – Lockdown

भारत को 2040 तक 4,87,100 MW ऊर्जा की जरूरत होगी।

2030 तक भारत दुनिया का ~~सब~~ तीसरा सबसे ऊर्जा उपभोक्ता देश होगा

class-16

Reasons of High Demand of Energy :-

- औद्योगिक वृद्धि ↑ (Industrial & high growth)
- आयात पर निर्भरता (Import Dependency)

~~औद्योगिक विकास~~

GIVA (Global Industrial Value Added) एक संस्था के अनुसार ...

2040 तक भारत में ~~कुल~~ कुल वैश्विक उद्योग का 20% होगा।

ऊर्जा के स्रोत

- परंपरागत/अनवीकरणीय
- गैर-परंपरागत/नवीकरणीय

BIHAR NAMAN PUBLISHING HOUSE

नवीकरणीय ऊर्जा

:- भू-तापीय ऊर्जा :-

→ 340 गर्म जल स्रोत (80-160°C)

→ भारत का पहला जियोथर्मल Power project
(लद्दाख)

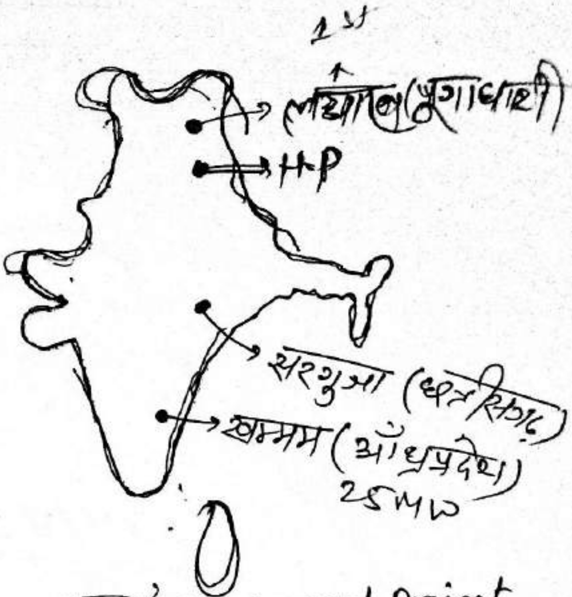

भारत के Geothermal Project

:- हाइड्रोजन ऊर्जा :-

→ हाइड्रोजन ऊर्जा केन्द्र, बनारस इस ऊर्जा के विकास पर शोध कर रहा है

→ राष्ट्रीय हाइड्रोजन ऊर्जा मिशन

ईंधन सेल

:- पवन ऊर्जा :-

→ मुख्य भूमि पर
→ अपतटीय भूमि पर

पवन ऊर्जा में भारत का पाँचवा स्थान है

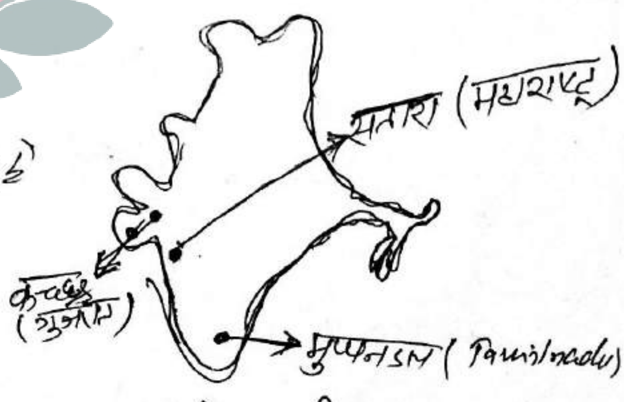

पवन ऊर्जा क्षेत्र

BIHAR NAMAN PUBLISHING HOUSE

: सौर ऊर्जा :-

आन्ध्र प्रदेश
सालिजीपल्ली गाँव भारत का पहला

ज्वारीय ऊर्जा

→ समुद्री क्षेत्रों में ज्वार-भाटा से उत्पन्न ऊर्जा

BIHAR NAMAN PUBLISHING HOUSE

Biogas / बायोगैस

BIO-GAS

→ अपशिष्ट ~~एवं~~ पदार्थों के अपघटन से बनता है

Other Initiative

→ इथेनॉल, Biodiesel diesel

कर्नाटक का टुंकुर जिले में भारत का एक मात्र बायोडीजल संयंत्र है

* क्लैथरेट (clathrate)

गरीबी (Poverty)

कुल आबादी का 6% → May 2021
84 million

गरीबी जुड़े हुए हैं

- आर्थिक विकास ↓
- क्रयशक्ति ↓
- जनसंख्या ↑
- प्रति व्यक्ति ↓

गरीबी के आयाम

- सामाजिक आयाम
  - स्वास्थ्य
  - शिक्षा
  - सामाजिक बहिष्करण
- राजनीतिक आयाम
  - राजनीतिक भागीदारी
  - लोकसेवाओं में कमी
- आर्थिक स्तर पर
  - प्रतिव्यक्ति आय कम
  - उपभोग व्यय कम
  - निम्न जीवन स्तर
- पर्यावरणीय आयाम
  - वृक्षों की कटाई
  - अस्वच्छता
  - स्वच्छ पेयजल का अभाव
  - चारा की कमी

BIHAR NAMAN PUBLISHING HOUSE

1951-5

Govt.

गरीबी की अवधारणा (Concept of Poverty)

आर्थिक 'yinamic' मानक

सापेक्ष गरीबी
Relative poverty
⇓
विकसित अर्थव्यवस्था

निरपेक्ष गरीबी
Absolute Poverty
⇓
व्यक्तिगत अर्थशास्त्र
व्यक्तिगत स्तर पर

<1.90 $/Day कमाता है तो वह गरीबी कहलाती है

Measurement of Poverty

आय के आधार पर

उपभोग के आधार पर

- ग्रामीण — 2400 cal
- शहरी — 2100 cal

BIHAR NAMAN PUBLISHING HOUSE

गरीबी से संबंधित महत्वपूर्ण समिति

योजना आयोग working समिति

रय समिति -

अलघ समिति - 1979

लकड़ावाला समिति - 1993

तेंदुलकर समिति - 2009-10

C-Rangrajan समिति -

गरीबी निर्धारण क्यों आवश्यक है

गरीबी के कारण

1. Lack of Basic Infra
   - Road
   - Habitat
2. Lack of Capital
3. High pressure of population
4. COVID-19
5. Low Industrialization
6. Increase price hike
7. Unemployment
8. कृषि पर निर्भरता (

BIHAR NAMAN PUBLISHING HOUSE

गरीबी निवारण के सरकारी प्रयास

- भारत सरकार
- बिहार सरकार

प्रश्न :- नीति आयोग के बहुआयामी गरीबी सूचकांक के अनुसार बहुआयामी गरीब उच्चतम है। इसके लिए जिम्मेदार कारकों की व्याख्या करें। सरकार द्वारा इसके लिए बिहार के लिए कौन-कौन नवीनतम योजना का क्रियान्वयन किया जा रहा है।

कक्षा-20 Food security (खाद्य सुरक्षा)

खाद्य सुरक्षा - 1983 FAO के अनुसार - खाद्य सुरक्षा या संरक्षण वह स्थिति है, जिसमें प्रत्येक परिवार के प्रत्येक सदस्यों की खाद्य पदार्थों तक भौतिक या आर्थिक पहुँच हो तथा ये पहुँच भविष्य में भी बनी रहे।

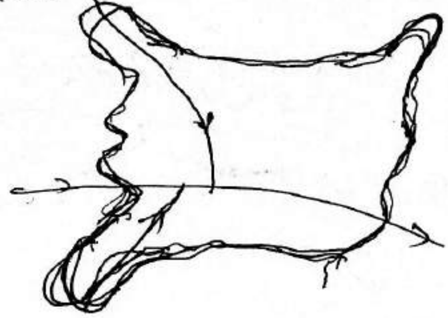

खाद्य सुरक्षा

- खाद्य पदार्थों की उपलब्धता
  - ↓ प्रत्येक परिवार के लिए प्रत्येक सदस्यों तक खाद्य पहुँच
- परिवार की खाद्य पदार्थों तक पहुँच
- खाद्य पदार्थों की उपलब्धता भविष्य में भी बनी रहे

* FAO के अनुसार लगभग 86 करोड़ लोग खाद्य सुरक्षित नहीं हैं।

खाद्य सुरक्षा की वर्तमान समस्या

Global Hunger Index 2021 - 101st (India)

2014 ⟶ 2021 भुखी आबादी की सं० बढ़ी है

खाद्य असुरक्षा का कारण

→ जनसंख्या का अत्यधिक दबाव
→ कृषि जोतों का छोटा होना।
→ अधिकांश भागों में परंपरागत कृषि
→ प्राकृतिक आपदा → फसल संग्रहण का अभाव
→ फसलों की क्षति → कालाबाजारी etc.

Population

	1947	2021
Population	37 Cr.	140 Cr.
	375%	
उत्पादन	6 क्विंटल/He	7.5 क्विंटल/Hec
	119%	

(कक्षा - 21. (Food security))

Simplify ~~Simplified~~

उपाय :- खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने के उपाय

1. जैविक कृषि को बढ़ावा
2. कृषि विविधता
3. कृष्य उत्पादन को बढ़ाना
4. कृषि पदार्थों के मूल्य में स्थिरता
5. राष्ट्रीय खाद्य बजट की संकल्पना
6. राष्ट्रीय खाद्य बजट की संकल्पना

खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने के सरकारी प्रयास

- **भारत सरकार द्वारा प्रयास**
  - **आजादी के बाद**
    - FCI द्वारा खाद्य संग्रहण को बढ़ावा
    - PDS द्वारा वितरण
    - हरित क्रांति
    - कृषि एवं मूल्य आयोग
    - खाद्य सुरक्षा अधिनियम 2013
    - काम के बदले अनाज योजना
    - राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन 2007
    - क
  - **हालिया प्रयास**
    - किसान रेल
    - डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर
    - PM मातृ वंदना योजना
    - पोषण अभियान
    - PM गरीब कल्याण योजना,
- **बिहार सरकार के प्रयास**

BIHAR NAMAN PUBLISHING HOUSE

कक्षा-22

हरित क्रांति (Green Revolution)

शुरुआत कैसे ► (विलियम गाड्स)

1969 में M.S. स्वामीनाथन द्वारा शुरुआत

~~1947 में अनाज~~

	1947	हरित क्रांति के बाद 1969
अनाज उत्पादन -	1.5 करोड़ टन	9 करोड़ टन

स्वतंत्रता के बाद भारत के खाद्यान्न उपलब्धता सुनिश्चित करने के तीन उपाय कर सकती थी

- अधिकाधिक भूमि पर कृषि की जाय
- भूमि का समान आवंटन कर दे
- उत्पादकता को बढ़ाया जाय

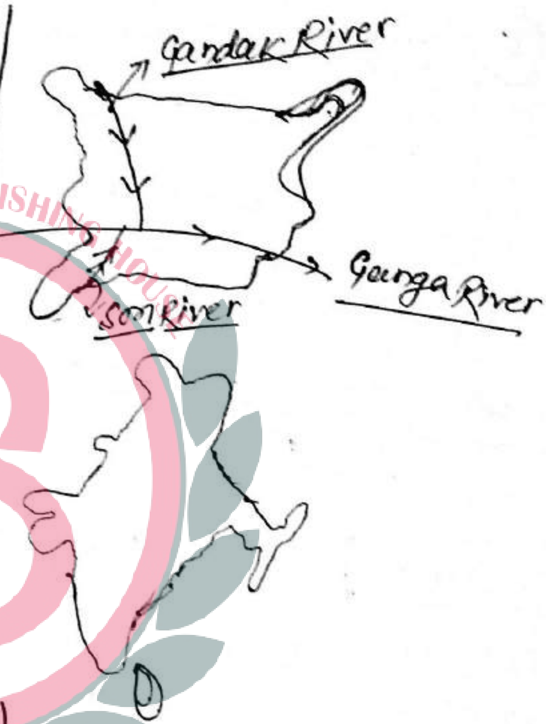

हरित क्रांति के कारक

→ उन्नत बीज के प्रयोग (HYV seeds)
→ रासायनिक उर्वरकों का अत्यधिक उपयोग (Fertilizer)
→ सिंचाई ~~क्षेत्र~~ सुविधा (Irrigation)
→ ~~फसल चक्र~~ कीटाणुनाशकों का प्रयोग
→ कृषि में यंत्रीकरण में वृद्धि
→ पूंजी के उपयोग में वृद्धि
→ कृषि शिक्षा तथा शोध का विकास
→ ~~ढुलाई~~, विपणन, परिवहन तथा भंडारण

BIHAR NAMAN PUBLISHING HOUSE

हरित क्रांति के सकारात्मक प्रभाव

(I) अनाज उत्पादन में वृद्धि

Data use करना है

(II) खाद्यान्न का निर्यात

↳ भारत में कुल निर्यात का 10% कृषि क्षेत्र से होता है

(III) ग्रामीण रोजगार में वृद्धि

(iv) फसल प्रारूप में परिवर्तन

↳ एक फसली के जगह फसल चक्र

(v) गरीबी पर नियंत्रण

(vi) पोषण स्तर में सुधार

(vii) अकाल की बारंबरता में कमी

(viii) मानसून पर निर्भरता में कमी

(ix) ग्रामीण जीवन स्तर में वृद्धि

(x) राज्य के नीति-निर्देशक तत्व के लक्ष्य की प्राप्ति में सहायक

हरित क्रांति के नकारात्मक प्रभाव

- पर्यावरणीय/पारिस्थितिकीय प्रभाव
- सामाजिक/आर्थिक प्रभाव

BIHAR NAMAN PUBLISHING HOUSE

पर्यावरणीय प्रभाव

1. → पर्यावरण प्रदूषण में वृद्धि
2. →

(ii) मृदा में पोषक तत्व की कमी

(iii) मृदा के लवणीकरण की समस्या।

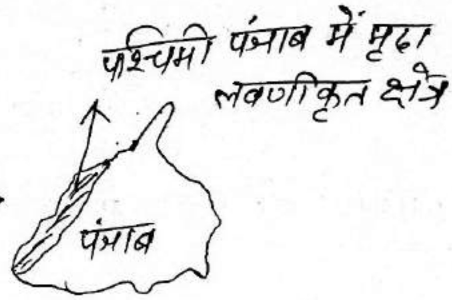

(IV) वनों का विनाश

→ उदा०- पंजाब के होशियारपुर में वनों की कटाई से मृदा अपरदन

V भूमिगत जलस्तर में कमी

→ भूमिगत जल का 80% कृषिकार्य में उपयोग

BIHAR NAMAN PUBLISHING HOUSE

सामाजिक-आर्थिक प्रभाव

1. क्षेत्रीय असंतुलन
2. श्रम विस्थापन
3. आय असमानता में वृद्धि
4. बेरोजगारी
5.

बिहार में हरित क्रांति के प्रमुख अभावों की कारण

~~बिहार में हरित क्र~~

बिहार सरकार के उन हालिया प्रयासों को बताइए जो बिहार क्रांति को लाने के लिए आए जा रहे हैं।

आपदा प्रबंधन

परिचय :-

Main Body :- Sendai Framework – 15 वर्षीय योजना (2015-30)

- UN ने नागरिक को जोखिम के प्रबंधन की प्रभावी प्रत्युत्तर क्षमता के निर्माण में निवेश
- (1) जोखिम को समझना → तीव्रता तथा समझ के स्तर पर पर → 2010-2014 के बीच की सुनामी
- (2) जोखिम नियंत्रण की जिम्मेदारी → वैश्विक को कम करने में सहायक
- (3) बचाव हेतु निवेश करना → Disaster Risk Reduction पर काम

लक्ष्य :-

→ आपदा में मौतों को कम करना

→ आपदा प्रभावित क्षेत्रों को न्यूनतम करना

→ आर्थिक विनाश को कम करना

→ बुनियादी अवसंरचना को न्यूनतम नुकसान हो

→ DRR रणनीति स्थानीय स्तर पर भी हो
↳ जैसे - जिला आपदा प्रबंधन, तथा राज्य एवं केंद्र स्तर पर हो

→ विकासशील एवं प्रभावित देशों को पर्याप्त वित्तीय सहायता
↳ नेपाल को सहयोग किया गया

→ बहुआयामिक आपदा चेतावनी प्रणाली की स्थापना

बिहार के संदर्भ में Sendai Framework

→ बिहार के 28 जिले बाढ़ तथा 7 जिले सूखे की समस्या से प्रभावित रहते हैं

→ बिहार के 30 जिले भूकम्पीय ज़ोन - IV तथा V

Data - E.S. 2020-21 आपदा :

वर्ष	2013-14	व्यय

आपदा प्रबंधन में बिहार की 5 प्राथमिकताएँ

1. आपदा प्रतिरोधी गाँवों का निर्माण
2. आपदा प्रतिरोधी शहरों का निर्माण
3. आपदा प्रतिरोधी जीवन तंत्र का निर्माण
4. आपदा प्रतिरोधी ~~आधार~~ जीवन तंत्र का निर्माण
5. सामान्य सेवाओं का निर्माण
6. आपदा प्रतिरोधी ~~प्रम~~ आधारभूत अवसंरचना का निर्माण

आपदा प्रबंधन के चुनौती / समस्याएँ

→ आपदा प्रबंधन ईकाईयों में समन्वय का अभाव
→ आपदा प्रबंधन से संबंधित मानव संसाधनों में कमी
→ आपदा पूर्व सूचना प्रणाली का अभाव
→ अपर्याप्त वित्त प्रबंधन

BIHAR NIRMAN PUBLISHING HOUSE

आपदा → अचानक होने वाली विध्वंसकारी घटना जिसमें भौतिक क्षति हो या जानमाल का नुकसान हो। भारत एक आपदा संभावित क्षेत्र है

आपदा के प्रकार

- जल संबंधित तथा वायु आपदाएँ
  - बाढ़
  - सूखा
  - चक्रवात
  - ओलावृष्टि & वज्रपात
  - सुनामी
  - बादल फटना
  - लू
  - शीतलहर
- भूमि से संबंधित आपदाएँ
  - भू-स्खलन
  - भूकंप
  - आग लगना
  - बाँध टूटना
  - खदानों में आग लगना
- दुर्घटना संबंधी आपदाएँ
  - रेल दुर्घटना
  - प्लेन क्रैश
  - बम विस्फोट
  - परमाणु बम विस्फोट
  - दंगा
- जैविक आपदाएँ एवं अन्य
  - महामारी
  - जहरीला भोजन

Lect-24

बिहार में हरित क्रांति

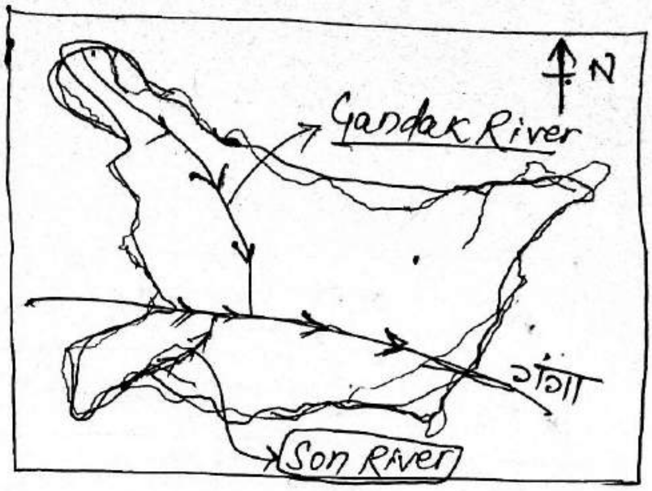

द्वितीय हरित क्रांति के बिहार सरकार के प्रयास

→ हर खेत पानी

→ राज्य के नदियों को जोड़ने

→ Sinchai App

→ ~~अलग-अलग~~

→ सिंचाई के लिए अलग फीडर की स्थापना 3rd Rank - 6th Rank

→ बिहार बीज निगम का पुनरुद्धार

→ मृदा जाँच प्रयोगशाला की स्थापना

→ Organic Farming को बढ़ावा (जैविक कॉरिडोर)

→ Neem coated

→ National Silt Policy के निर्माण का आग्रह

बिहार में हरित क्रांति की सम्भावनाएँ

BIHAR NAMAN PUBLISHING HOUSE